nt>
Title: Need to develop a consensus and introduce the Constitution (Amendment) Bill to provide reservation to women in Lok Sabha and State Assemblies.

SHRI P. SHIV SHANKER : Sir, due to intense agitation by the hon. women Members as well as male Members of this House, the hon. Speaker had been pleased to give a ruling. He said that the Government should develop a consensus and introduce the Bill as early as possible. Now, the Government is failing to develop a consensus. They are not even calling a meeting to develop consensus and they are sitting tight. The Minister for Parliamentary Affairs has to tell us as to why he is sitting tight. Why are they not calling a meeting to develop consensus? ... (Interruptions).

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, consensus is very good... (Interruptions). Sir, may I have your attention please?

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी (रीवा): सभापति महोदय, हमें भी ज़ीरो आवर में बोलने का मौका दीजिये।

सभापति महोदय : आपका नाम लिस्ट में है, आपको टाईम देंगे। अब आप बैठिये।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सभापति जी, हमने भी नोटिस दिया है।

सभापति महोदय : आपका नाम भी है, आपको बुलायेंगे।

श्री रामानन्द सिंह (सतना): सभापति महोदय, हम भी जीरो ऑवर में महत्वपूर्ण बात उठाना चाहते हैं।

सभापति महोदय : सब को बुलायेंगे, आप बैठिये।

">SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Chairman, Sir, I am not against consensus... (Interruptions). A commitment was given by the Minister for Parliamentary Affairs before the hon. Speaker and Leaders of different political parties that the Bill will be introduced... (Interruptions). We have been saying that after the introduction, there can be discussion and amendments. Everything can take place. But there is no reason for not introducing the Bill. Yesterday, a commitment was given that in the coming week, it will be introduced. The Minister for Parliamentary Affairs has read out the list of business for the next week. But he has not mentioned anything about the Bill. He does not show respect which the House is entitled to. What has happened to that? We have to raise it again and again to get a reply from the Minister. Sir, I strongly condemn this attitude. I demand that this Bill should be introduced in the coming week.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): सभापति महोदय, आप मेरी बात भी सुनिये। इनकी आपने सुन ली है।

सभापति महोदय : आप बैठिये, अभी मंत्री जी को बोलने दें। टाईम होगा तो आपको देंगे।

Why are you always rising?

... (Interruptions)

सभापति महोदय : आप लोग बार बार खड़े हो जाते हैं। आपको भी बुलायेंगे।

SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR : I also want to speak on this ... (Interruptions)

सभापति महोदय : आप इतने उत्तेजित क्यों हैं? आप बैठिये। सब रिज़र्व रहें। सब को समय मिलेगा। इस तरह सभा का समय नष्ट मत करें।

MR. CHAIRMAN: The Minister is on his legs. Why are you not allowing him to respond?

... (Interruptions)

SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR Sir, in yesterday's meeting, we were also present... (Interruptions)

">

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): सभापति महोदय, यहां महिला बिल के बारे में जो प्रश्न उठाया है...

SHRI V. SATHIAMOORTHY (RAMANATHAPURAM): Sir, the Congress Party should clear their stand. It is stated in the press that they have changed their stand. It was told that the Congress is going to support it... (Interruptions).

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. Mr. Minister is on his legs.

श्री मदन लाल खुरानाः सभापति जी, माननीय शिव शंकर जी ने कहा कि हम कांसैंसेज़ के लिये कोई कदम नहीं उठा रहे हैं...

श्री पी. शिवशंकरः स्पीकर साहब ने डायरेक्शन्स दी हैं।

श्री मदन लाल खुरानाः आपने जो कहा उसके संदर्भ में बताना चाहूंगा कि कल जो बैठक हुई उसमें श्री सोमनाथ जी को याद होगा कि जब महिला बिल पेश करने की चर्चा हुई, उस समय कांसैंसेज़ नहीं था। कुछ महिलाओं ने वाक आउट किया। कुछ ने यह धमकी भी दी कि उसी तरह का सीन क्रिएट होगा जिस तरह का पहले हुआ था। मैंने यह सारी रिपोर्ट माननीय प्रधानमंत्री जी को दे दी है।

अभी इसके बाद ही कुछ नेताओं से चर्चा करके कनसेन्सस पर लाने के लिए प्रधान मंत्री जी ने फिर से प्रयत्न शुरू किया है। मेरा कहना यह है कि प्रधान मंत्री जी ने फिर से कनसेन्सस बनाना शुरू किया है। जब तक कोई कनसेन्सस नहीं हो जाता, एक बिल आए उसको हम चाहते हैं और इसीलिए जब तक कोई कनसेन्सस न हो जाए, हम बिल लाकर फिर वैसा ही सीन क्रियेट करें, वह हम नहीं चाहते हैं, इसलिए कनसेन्सस के बाद ही हम बिल लाना चाहेंगे।

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE : What is this?

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : How many Bills are brought here only upon consensus? Can a minority hold the business of the House to ransom? We strongly condemn this attitude. This is the Government's own trouble because they cannot tackle their own Party Members. This is a deliberate and total failure of the Government. I condemn this.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): सभापति जी, एक मिनट हमारी बात सुन लीजिए।

सभापति महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप बैठिये। हम आपको भी बुलाएंगे। अभी हमने घाटोवार जी को बोलने के लिए कहा है। आप बैठिये।

Shri Ghatowar is on his legs. You please take your seat.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I am asking you to take your seat. Please take your seat.